श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१९ के सन्देश पर आधारित कहानियाँ

ईशा सरदेसाई द्वारा

ये परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आई हैं, उन बुजुर्गों द्वारा जो बड़े ही अद्‌भुत ढंग से, मिश्री के समान सच और कल्पना के ताने-बाने बुनकर, मन्द-से स्वर में अपना ज्ञान प्रदान करते आए हैं। ये, राजा और रानियों के दरबारों में सुनाई गई हैं — हास्यपूर्ण मनोरंजन के लिए, जो साथ छोड़ गई हैं दीर्घकाल तक बनी रहने वाली एक सीख। उन्हें पत्थरों पर तराशा गया है और किताबों में छापा गया है; रंगमंच पर उनका अभिनय होता आया है और विद्यालयों में उन्हें पढ़ाया गया है। प्रत्येक संस्कृति और धर्म में, प्रत्येक देश और सभ्यता में, इस बात को और अच्छे से समझने के लिए कि वे कौन हैं और जीने व आचरण के तरीक़ों को सिखाने के लिए — लोगों ने कहानियाँ सुनाई हैं।

सिद्धयोग पथ पर, लम्बे समय से कहानियाँ वे माध्यम रही हैं जिनके द्वारा लोग श्रीगुरु की सिखावनियों का अध्ययन कर पाते हैं और उन सिखावनियों के प्रति और भी सूक्ष्म समझ प्राप्त कर पाते हैं। वर्षों से गुरुमाई जी और बाबा जी ने भारतीय शास्त्रों से, विभिन्न संस्कृतियों की लोक-कथाओं से और दैनिक जीवन के किस्सों से, असंख्य कहानियाँ सुनाई हैं। जो लोग इन कहानियों को सुनते और पढ़ते हैं, वे इन्हें ख़ज़ाने की तरह संजोकर रखते हैं, कई वर्षों तक इन्हें याद रखते हैं और दोहराते हैं। वे बड़े प्रेम से बताते हैं, “मन के बारे में वह कहानी जो गुरुमाई जी ने मेरे सबसे पहले शक्तिपात ध्यान-शिविर में सुनाई थी” या “शेख़ नासिरुद्दीन का वह किस्सा जो बाबा जी संध्याकालीन सत्संग में सुनाया करते थे।” ये कहानियाँ जो इतनी करुणा के साथ सुनाई गई हैं और जिनका विवरण एकदम सटीक और उद्‌बोधक है; दर्शाती हैं कि साधना के पथ पर होने का क्या अर्थ है। जब हम उन्हें पढ़ते हैं और उनका अध्ययन करते हैं, जब हम उन्हें सुनते हैं और उन पर मनन करते हैं तब वे हमें आत्मविचार की एक ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं जो अनवरत रूप से मनोहर है, सुखद है और चिरस्थाई परिवर्तन को प्रेरित करती है।

जब मुझे वर्ष २०१९ में, पूरे वर्ष के लिए कहानियों को पुनः लिखने का सेवाकार्य प्राप्त हुआ — विशेषकर ऐसी कहानियाँ जो श्रीगुरुमाई के नववर्ष सन्देश में प्रदान की गई सिखावनियों पर प्रकाश डालती हों — तो मुझे फ़ौरन वे सभी कहानियाँ याद आ गईं जिन्हें सिद्धयोग पथ पर सुनते हुए मैं बड़ी हुई हूँ। मैंने विचार किया कि कैसे ये कहानियाँ अब तक मेरे साथ रही हैं — उनकी मृदुलता और हास्य का मिश्रण, उनका सुस्पष्ट चित्रण और उनकी गहराईयों में गुंजित होता हुआ सत्य, जिसने उन कहानियों को मेरे हृदय में स्थायित्व प्रदान किया है। बचपन में इन कहानियों ने सिद्धयोग सिखानियों के प्रति मेरी अपरिपक्व समझ को आकार दिया; और आज जब मेरी इस समझ का विकास हुआ है तो मैं हमेशा यह पाती हूँ कि सिद्धयोग की कहानियों पर वापस आना मेरी उस समझ को और परिष्कृत करते रहने में मदद करता है।

कई कहानियाँ जो मैं इस वर्ष पुनः लिखूँगी, वे गुरुमाई जी और बाबा जी द्वारा सुनाई गई हैं। वे विभिन्न ग्रन्थों और परम्पराओं से हैं — भारत के महाकाव्यों जैसे रामायण और महाभारत से हैं; पुराणों से हैं जिसमें श्रीमद्भागवतम् और उसमें दी गई भगवान श्रीकृष्ण की कथाएँ भी शामिल हैं; जातक कथाओं से हैं जो चीन की लोक-कथाएँ हैं, ज़ेन बौद्धमत के कोआॅन से और पश्चिमी लोक-साहित्य से हैं।

यह जानते हुए कि इन कहानियों का केन्द्रण, श्रीगुरुमाई का वर्ष २०१९ का सन्देश है, इसलिए इनके माध्यम से मैं जिस मुख्य विषय-वस्तु का अन्वेषण करूँगी वह है, मन और उसके कार्य करने के तरीक़े। मैं स्वयं को इस बात पर अचम्भित होने से रोक नहीं पा रही हूँ कि शब्दशः, इस विषय के लिए कहानी कितनी सटीक और उपयुक्त है। अख़िरकार, एक कहानी में ऐसा क्या होता है जो मन्त्रमुग्ध करता है? एक कहानी में वह क्या होता है जो आकर्षित करता है और प्रतिध्वनित होता है? शायद, बहुत-सी चीज़ें, परन्तु मुझे लगता है कि उनमें से जो सबसे मुख्य है, वह है, वह अनुमति जो कहानी आपको देती है, अपने मन के जाने-पहचाने कोनों से बाहर आने की, उन धारणाओं और आकलनों के घेरे से बाहर निकलने की जो आपने अपने संसार के बारे में बना लिए हैं और जिस प्रकार आप उनसे अपने आपको जोड़ते हैं। यदि कहानीकार ने अपना कार्य उचित तरीक़े से किया हो तो कुछ समय के लिए आप एक 'दूसरी' दुनिया में पहुँच जाते हैं, उसके दृश्यों, ध्वनियों और सुगन्धों का आनन्द लेते हैं — खुद को पूरी तरह उसमें निमग्न कर देते हैं।

हालाँकि, आप कहीं न कहीं यह जानते हैं कि यह आपका संसार *नहीं* है। उस बोध में एक ऐसा आश्वासन है जिसे नकारा नहीं जा सकता। आप निश्चित तौर पर, उन पात्रों और उनकी परिस्थितियों के साथ संवेदना रख सकते हैं; और हो सकता है कि आप उनमें खुद को भी देखने लगें। साथ ही, क्योंकि असल में यह आपकी कहानी नहीं है, इसलिए आपको एक हद तक उसका साक्षी बने रहने और उससे दूरी बनाए रखने का अवसर भी मिलता है। आप स्पष्टता के साथ देख पाते हैं, उन किरदारों की नादानियों और सफलताओं को, कहाँ वे अपनी सही या गलत समझ का परिचय देते हैं या कहाँ उन्होंने उचित प्रयास किए हैं या कहाँ नहीं किए हैं जो शायद आपके अपने जीवन की परिस्थितियों में, आपकी नज़रों से बच निकले हों। आपको उन प्रवृत्तियों या विचारधाराओं को सूक्ष्मता से जानने का अवसर मिलता है जो हो सकता है आपमें खुद में दिखाई दे रही हों। तथापि, जैसे एक पक्षी दूर डाली पर बैठकर सब देखता है, उसी तरह ऊँचाई पर बैठ कर आप भी बेहतर ढंग से इस बात का निरीक्षण कर सकते हैं कि सोचने के ये तरीक़े उपयोगी हैं या नहीं और आप यह विचार कर सकते हैं कि अपने इस दृष्टिकोण में कौन-से बदलाव लाना उचित रहेगा।

अतः मैं यह आशा करती हूँ कि आप श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१९ के सन्देश पर आधारित इन कहानियों को, अपने मन व अपने जीवन के एक विद्यार्थी की भाँति पढ़ेंगे। अपने आप के प्रति ईमानदार रहें और जिज्ञासा का भाव बनाए रखें। अपने आप के साथ धैर्य रखें और उदार बनें। आकलन करने के स्थान पर, स्वयं का विश्लेषण करें और ऐसा करते समय विवेचनात्मक रहें।

हर कहानी के साथ एक ऑडिओ रिकॉर्डिंग होगी, जिसका अर्थ है कि आप इसे सुन भी सकते हैं और पढ़ भी सकते हैं। देखें कि, और किन तरीक़ों द्वारा आप इन कहानियों के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। ये शुरुआत करने के, छलाँग लगाने के अवसर हैं — यदि आप चाहें तो ये उस रंगमंच की तैयारी है जिसमें से आपकी अपनी अनूठी और सुन्दर कहानी प्रकट हो सकती है।

©२०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।